निपाह विषाणू

- ✓ निपाह विषाणू यह RNA विषाणू पॅरामायझोविडे परिवार का है । प्रथमतः मलेशिया एवं सिंगापूर मे १९९८-९९ मे पाया गया।
- ✓ निपाह विषाणू का मानव मे फैलना, प्रयोगशाला मे जाना जा सकता है । फैलाव के कोई लक्षण समझ मे नही आते ऐसी अवस्था मे श्वसन क्रिया की समस्या अथवा अचेतना की अवस्था हो सकती है ।
- ✓ निपाह व्हायरस का फैलाव जानवरोंसे जैसे चमदागड सूअर से मानव को अथवा मानव से मानव मे होता है ।
- ✓ फल खाने वाले पेरोपोडीड परिवार के चमगादड निपाह विषाणू के प्राकृतिक स्थल है ।
- ✓ इस रोग पर जानवरोंको देने के लिए कोई उपचार अथवा रोग प्रतिबंधक टीका उपलब्ध नही है । मानव का प्राथमिक उपचार यानि केवल सहानुभूतिपूर्वक ध्यान देना है।
- ✓ WHO के ब्ल्यू प्रिंटसूची मे इस रोग को एवं विषाणू का प्राथमिकता से समावेश है।

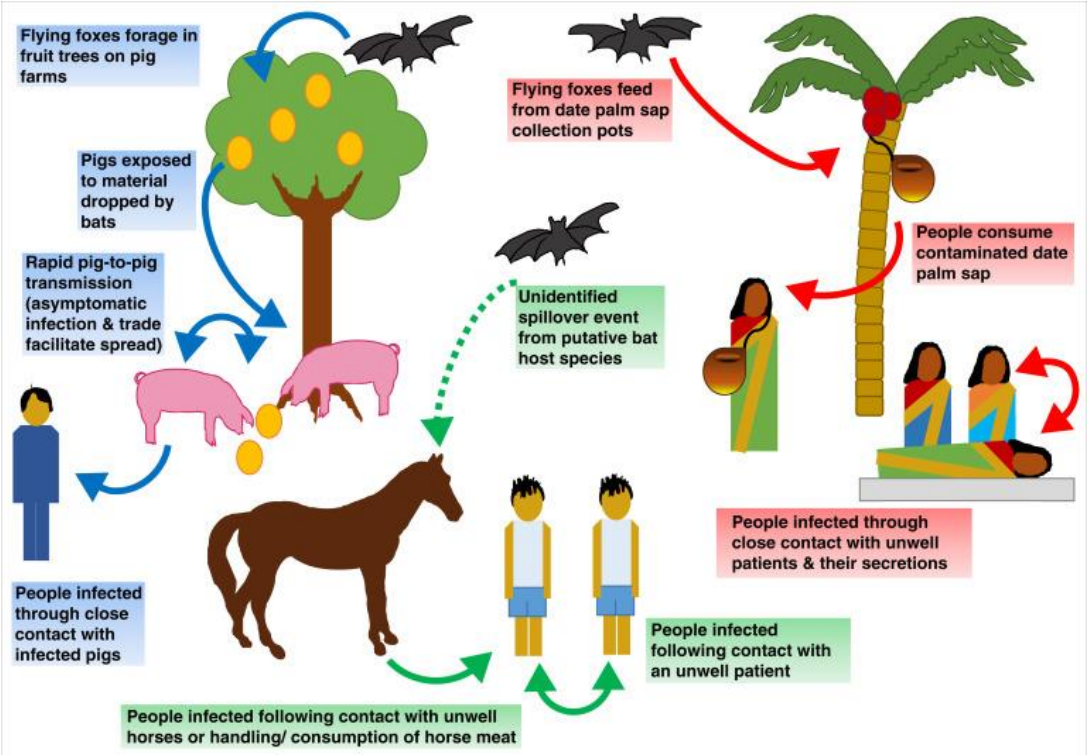

<u>लक्षण-</u>

बुखार, सिरदर्द, आँखो के सामने अंधेरा छा जाना, संभ्रम की स्थिती, मानसिक अशांती कुछ समय कोमा की स्थिती

<u>रोग की समयावधी</u>

४ से १८ दिवस

<u>प्रयोगशाला का निदान</u>

Niv का प्रयोगशाला मे निदान करने हेतू सेरॉलॉजी , हिस्टोपॅथॉलॉजी PCR एवं व्हायरस आयसोलेशन यह प्रक्रिया होती है । सिरम न्यूट्रलायझेशन टेस्ट, ELISA RT-PCR आदि जाँच प्रयोगशाला मे रोग निदान निश्चित करने हेतू की जाती है ।

दवाऐं

- Niv हेतू फिलहाल कोई दवा या टीका नही है , फिर भी सह फैलाव WHO R & D ब्ल्यू प्रिंट के अनुसार शीघ्र ही दवाऐं देना जरुरी होती है । श्वास नलिका एवं दिमाग के घातक फैलाव होने पर अतिशीघ्र सहाय्यता उपलब्ध करना आवश्यक है ।
- जनता मे फैलाव के धोखे को रोकना
- इस रोग हेतू सर्वमान्य टीका उपलब्ध नही होने के कारण जनजागृती एवं जनशिक्षा के माध्यम से प्रचार करना होगा ताकी कोई इस रोग से ग्रासित ना हो ।

स्वास्थ सेवाऐं देकर फैलाव पर नियंत्रण

- ❖ स्वास्थ सेवाऐं प्रदान करनेवाले व्यक्ती विशेष मे संशयित या Niv से ग्रासित रोगी की जाँच रिपोर्ट संग्रहित करनेवाले व्यक्ती को यह रोग ना हो इसकी ओर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए ।
- ❖ मानव से मानव तक फैलने का सिलसिला अस्पताल मे ही हो सकता है, तद्हेतू स्पर्श करने ने फैलाव ना हो इसका ख्याल रखे ।
- ❖ मानव अथवा प्राणी इनकी जाँच हेतू लिए गए सँम्पलस यह Niv से बाधित है या नही , यह जाँच करते समय उपयुक्त सर्व सुविधायुक्त प्रयोगशाला प्रशिक्षित व्यक्ती सुरक्षा के सभी उपायोंपर ध्यान देने की आवश्यकता है ।

संदर्भः http://www.who.int